



17 Jun 1998

12:55 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121161109

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 16-17/06/1998
दिन _____: मंगल-बुधवार
जन्म समय _____: 00:55:00 घंटे
इष्ट _____: 48:51:45 घटी
स्थान _____: Panipat
राज्य _____: Haryana
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:24:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 00:32:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:35 घंटे
साम्पातिक काल _____: 18:12:18 घंटे
सूर्योदय _____: 05:22:18 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:23:14 घंटे
दिनमान _____: 14:00:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 01:36:25 मिथुन
लग्न के अंश _____: 10:35:55 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मीन - गुरु
राशि-स्वामी _____: कुम्भ - शनि
नक्षत्र-चरण _____: पू०भाद्रपद - 2
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: प्रीति
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: सिंह
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: सो-सोमनाथ
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

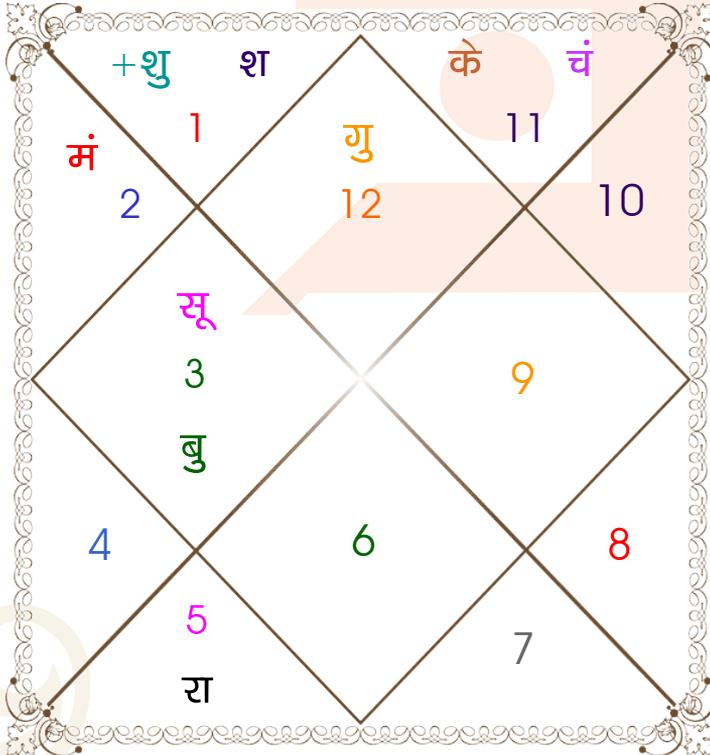
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	मीन	10:35:55	519:37:03	उ०भाद्रपद	3 26	गुरु	शनि सूर्य	---
सूर्य	मिथु	01:36:25	00:57:17	मृगशिरा	3 5	बुध	मंगल बुध	सम राशि
चंद्र	कुंभ	23:20:53	13:54:58	पू०भाद्रपद	2 25	शनि	गुरु शनि	सम राशि
मंगल	अ वृष	22:46:25	00:41:32	रोहिणी	4 4	शुक्र	चंद्र सूर्य	सम राशि
बुध	अ मिथु	09:31:35	02:06:37	आर्द्रा	1 6	बुध	राहु गुरु	स्वराशि
गुरु	मीन	02:41:19	00:05:44	पू०भाद्रपद	4 25	गुरु	गुरु राहु	स्वराशि
शुक्र	मेष	27:02:57	01:10:46	कृतिका	1 3	मंगल	सूर्य सूर्य	सम राशि
शनि	मेष	06:52:50	00:05:26	अश्विनी	3 1	मंगल	केतु राहु	नीच राशि
राहु	सिंह	10:05:08	00:00:24	मघा	4 10	सूर्य	केतु शनि	शत्रु राशि
केतु	कुंभ	10:05:08	00:00:24	शतभिषा	2 24	शनि	राहु गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व मक	18:33:03	00:01:23	श्रवण	3 22	शनि	चंद्र बुध	---
नेप	व मक	07:51:26	00:01:13	उत्तराषाढा	4 21	शनि	सूर्य शुक्र	---
प्लूटो	व वृश्चि	12:20:19	00:01:31	अनुराधा	3 17	मंगल	शनि मंगल	---
दशम भाव	धनु	08:59:16	--	मूल	-- 19	गुरु	केतु गुरु	--

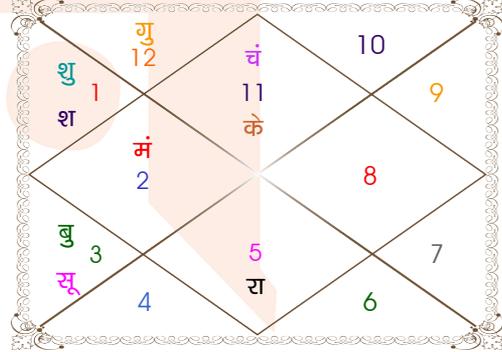
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:00

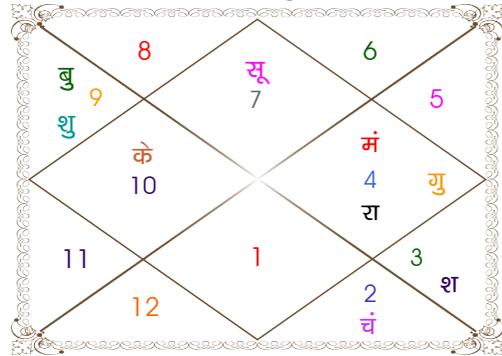
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 11 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
17/06/1998	10/06/2010	10/06/2029	10/06/2046	10/06/2053
10/06/2010	10/06/2029	10/06/2046	10/06/2053	10/06/2073
17/06/1998	शनि 13/06/2013	बुध 07/11/2031	केतु 06/11/2046	शुक्र 09/10/2056
शनि 09/02/1999	बुध 21/02/2016	केतु 03/11/2032	शुक्र 06/01/2048	सूर्य 10/10/2057
बुध 17/05/2001	केतु 01/04/2017	शुक्र 04/09/2035	सूर्य 13/05/2048	चंद्र 10/06/2059
केतु 22/04/2002	शुक्र 31/05/2020	सूर्य 10/07/2036	चंद्र 12/12/2048	मंगल 10/08/2060
शुक्र 21/12/2004	सूर्य 13/05/2021	चंद्र 10/12/2037	मंगल 10/05/2049	राहु 10/08/2063
सूर्य 10/10/2005	चंद्र 13/12/2022	मंगल 07/12/2038	राहु 29/05/2050	गुरु 10/04/2066
चंद्र 09/02/2007	मंगल 22/01/2024	राहु 25/06/2041	गुरु 05/05/2051	शनि 10/06/2069
मंगल 16/01/2008	राहु 28/11/2026	गुरु 01/10/2043	शनि 13/06/2052	बुध 10/04/2072
राहु 10/06/2010	गुरु 10/06/2029	शनि 10/06/2046	बुध 10/06/2053	केतु 10/06/2073

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
10/06/2073	10/06/2079	10/06/2089	10/06/2096	11/06/2114
10/06/2079	10/06/2089	10/06/2096	11/06/2114	00/00/0000
सूर्य 27/09/2073	चंद्र 10/04/2080	मंगल 06/11/2089	राहु 21/02/2099	गुरु 29/07/2116
चंद्र 29/03/2074	मंगल 09/11/2080	राहु 25/11/2090	गुरु 17/07/2101	शनि 18/06/2118
मंगल 04/08/2074	राहु 11/05/2082	गुरु 31/10/2091	शनि 23/05/2104	00/00/0000
राहु 29/06/2075	गुरु 10/09/2083	शनि 09/12/2092	बुध 11/12/2106	00/00/0000
गुरु 16/04/2076	शनि 10/04/2085	बुध 06/12/2093	केतु 29/12/2107	00/00/0000
शनि 29/03/2077	बुध 09/09/2086	केतु 05/05/2094	शुक्र 29/12/2110	00/00/0000
बुध 02/02/2078	केतु 11/04/2087	शुक्र 05/07/2095	सूर्य 23/11/2111	00/00/0000
केतु 10/06/2078	शुक्र 09/12/2088	सूर्य 10/11/2095	चंद्र 24/05/2113	00/00/0000
शुक्र 10/06/2079	सूर्य 10/06/2089	चंद्र 10/06/2096	मंगल 11/06/2114	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमें आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते हैं कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते हैं तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी हैं तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकें। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करें। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूँ। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते हैं। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यजनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते हैं तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।